M.A. S.Y. (Hindi) (New CBCS Pattern) Semester - III

MAHNCBCS301 - Prachin Evam Madhyakalin Kavya Paper-I

P. Pages : 4 | **GUG/S/23/10421**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्हीं तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **30**

क) बाने फहराने घहराने घटा गजन के,
नाहीं ठहराने राव राने देस देस के।
नग भहराने ग्राम नगर पराने सुनि,
बाजत निसाने सिवराज जू नरेस के॥
हाथिन के हौदा उकसाने कुंभ कुंज्जर के,
भौन को भजाने अलि छुटे लट केश के।
दल के दरारे हुते कमठ करारे फूटे,
केरा कैसे पात बिहराने फन सेस के॥

ख) ऊधो कहैं 'धन्य ब्रजपाल। जिसके सर्वस मदन गोपाल'॥
वह मत त्याग्यो, यह मति आई। तुम्हारे दरस भगति में पाई॥
तुम मम गुरु में दास तुम्हारें। भगति सुनाय जगत निस्तारो॥
'भ्रमरगीत' जै सुनै सुनावैं। प्रेमभक्ति सो प्रानी पावै॥
सूरदास गोपी बड़भागी। हरिदरसन को लगोरी लागी॥

ग) संतन जात न पुछो निरगुनियाँ।
साथ ब्राह्मण साध छत्तरी, साधै जाति बनियाँ।
साधन माँ छतीस कौम है, टेढी तोर पुछनियाँ।
साधै नाऊ साधै धोबी, साधै जाति है बरियाँ।
साधनामाँ रैदास संत है, सुपच ऋषि सो भाँगियाँ।
हिंदु - तुर्क दुई दीन बनै है, कछू नहीं पहचनियाँ।

घ) मेरी भव - बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परै, स्यामु हरित - दुति होइ॥
प्रगट भए द्विजराज कुल, सुबस बसे ब्रज आइ।
मेरौ हरौ कलेस सब, केशव केसवराइ॥
तजि तीरथ, हरि राधिका, तन - दुति करि अनुराग।
जिहि ब्रज - केलि - केलि - निकुंज मग, पग पग होत प्रयाग॥

च) पानी बिच मीन पियासी।
मोहिं सुन सुन आवै होंसि॥
घर में वस्तु नजर नहीं आवत।
बन बन फिरत उदासी॥
आतम ज्ञान बिना जग झूँठा।
क्या मथुरा क्या कासी।

छ) भक्ति का मारग झीना रे
नहिं आचाह नहिं चाहना, चरनन लौ लीनारे।
साधक के रस - धार में, रहे निस - दिन मीना रे।
राग में सुत ऐसे बसे, जैसे जल मीना रे।
साँई सेवन में देत सिर, कुछ बिलम न कीनारे।
कहै कबीर मत भक्ति का, परगट कर दीना रे।

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से **किसी एक** का उत्तर लिखिये। **10**

1) बिहारी का काव्य 'सागर में सागर है।' - इस उक्ति को स्पष्ट करते हुए बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

2) "कबीर समाज सुधारक थे" इस कथन की पुष्टि उदाहरण देकर कीजिए।

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से **किन्हीं पाँच** के उत्तर दस से बारह, पंक्तियों में लिखिए। **20**

1) सूरदास के 'भ्रमरगीत' में वियोग वर्णन की विशेषताएँ लिखिए।

2) शेक्सपिअर की साहित्यिक विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।

3) संत नामदेव का हिन्दी साहित्य को योगदान स्पष्ट कीजिए।

4) केशव की 'संवाद - योजना' की विशेषताएँ लिखिए।

5) भूषण की काव्यकला पर प्रकाश डाले।

6) घनानंद के वियोग वर्णन का निरूपण कीजिए।

7) कबीर का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित अति लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर 3 से 5 पंक्तियों में लिखिए। **10**

1) घनानंद की काव्यगत विशेषता लिखिए।

2) कबीर की भाषा को 'पंचमेल खिचडी' क्यों कहते हैं?

3) सगुण और निर्गुण काव्यधारा के चार - चार कवियों के नाम लिखिए।

4) रसखान किसके लिए प्रसिध्द हैं?

5) 'नामदेवगाथा' की जानकारी दीजिए।

5. निम्नलिखित निर्देशों या विकल्पों के आधार पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। **10**

1) 'आखरी कलाम' के रचयिता कौन है?

अ) नंददास ब) जायसी

स) रहीम द) रसखान

2) रसखान ने किससे दीक्षा ली थी?

अ) वल्लभाचार्य ब) नंददास

स) विठ्ठलनाथ द) सुरदास

3) उध्दव मथुरा से गोपियों के लिए किसका संदेश लेकर ब्रज गया था?

अ) राम का ब) कृष्ण का

स) शिव का द) हनुमान का

4) छत्रपति शिवाजी का प्रशस्ति - गान किसने किया है?

अ) सूरदास ब) भूषण

स) घनानंद द) बिहारी

5) बिहारी ------- कवि हैं।

अ) रितिबद्ध कवि ब) सगुणोपासक

स) रितिसिद्ध द) निर्गुणोपासक

6) गुरु गोविन्द सिंह ने कौन से पंथ की स्थापना की?

अ) कबीर पंथ ब) खालसा पंथ

स) दादू पंथ द) रैदास पंथ

7) यह विठ्ठल के भक्त थे।

अ) सूरदास ब) नामदेव

स) घनानंद द) रसखान

8) केशवदास किसके राज्याश्रित कवि रहे?

अ) शिवसिंह ब) इंद्रजित सिंह

स) जयसिंह द) विक्रमसिंह

9) सुरसागर में कौनसे पद संख्या में सबसे अधिक हैं?

अ) संयोग ब) वियोग

स) बाल लिला द) रासलीला

10) रसखान का मूल नाम था।

अ) सैय्यद इसराईल ब) सैय्यद इब्राहिम

स) सैय्यद इरफान द) सैय्यद अब्दुल्लाह

****